

माँ तेरे भक्तो सा प्रेमी और नही नैमी हूँ मै



माँ तेरे भक्तो सा प्रेमी,
और नही नैमी हूँ मै,
कुछ नही है पास मेरे,
क्या करूँ अर्पण तुम्हे,
माँ तेरे भक्तो सा प्रेमी।

तर्ज - आपकी नज़रो ने समझा।

है यही एक आरजू,
तेरी सेवा नित मिले,
बेटा कहलाऊँ तेरा,
मुझको हक इतना मिले,
मन मे यह उम्मीदे लेकर,
आ पड़ा दर पर हूँ मै,
माँ तेरे भक्तो सा प्रेमी।

कुछ न माँगूँ मै कभी,
तूम्से ऐ माता मेरी,
ऐसे ही बरसे सदा,
मूझपे कृपा माँ तेरी,
फिर भले इस जग से,
मुझको कुछ मिले या ना मिले,
माँ तेरे भक्तो सा प्रेमी।

जिस पे तेरी हो कृपा,
उसको फिर क्या चाहिए,
मेरे घर पर भी कभी,
माता रानी आइये,
क्या कहूँ तुमसे ऐ मैया,
दास छोटा सा हूँ मै,
माँ तेरे भक्तो सा प्रेमी।

माँ तेरे भक्तो सा प्रेमी,
और नही नैमी हूँ मै,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आप अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



क्या करू अर्पण तुम्हे,
माँ तेरे भक्तो सा प्रेमी।

– भजन लेखक एवं प्रेषक –
शिवनारायण वर्मा,
मोबा.न.8818932923

वीडियो अभी उपलब्ध नहीं।
